31जनवरी। अंबेडकर चेयर ,सामाजिक विज्ञान संकाय ,काशी हिन्दू विश्वविद्यालय,वाराणसी द्वारा संत रविदास जयंती के अवसर पर "आधुनिक समय मे संत रविदास के विचारो की प्रासंगिकता" विषयक विशेष ब्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ.एस.बी.पटेल, वित्तअधिकारी,काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, मुख्य वक्ता-अर्श शिरी राम ,पंजाब, चेयरपरसन,प्रोफेसर जयकान्त तिवारी ,डीन, सामाजिक विज्ञान संकाय,अंबेडकर चेयर प्रोफेसर, प्रोफेसर मंजीत चतुर्वेदी थे।कार्यक्रम का संयोजन डॉ.विमल.के लहरी एवं अरुणा कुमारी ने किया । कार्यक्रम के कुछ छायाचित्र-

असमानता के विरुद्ध संत रैदास ने किया संघर्ष

बीएचयू के डा. अंबेडकर चेयर की ओर से आयोजित रविदास जयंती समारोह में जुटे प्राध्यापक गण।

वाराणसी | वरिष्ठ संवाददाता

जिले के स्कूलों और विश्वविद्यालयों में बुधवार को संत रविदास जयंती की 640वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। विद्यार्थियों को संत रविदास की शिक्षाओं के बारे में बताया गया। निबंध, वाद-विवाद और चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित हुई।

बीएचयू में डॉ.अम्बेडकर चेयर की ओर से आयोजित आधुनिक समय में संत रविदास के विचारों की प्रासंगिकता विषयक संगोष्ठी में पंजाब के साहित्यकार अर्शशीरी राम ने कहा कि संत रविदास ने धार्मिक कर्मकाण्डों से जुड़े अन्धविश्वासों एवं अनावश्यक कृत्यों को पूर्णतः नकारा। मुख्य अतिथि के रूप में वित्त अधिकारी डॉ. श्याम बाबू पटेल ने कहा कि संत रविदास ने शोषण, अंधविश्वास, भेदभाव, अस्पृश्यता, छुआछूत के खिलाफ सर्वप्रथम शंखनाद किया। प्रोफेसर मंजीत चतुर्वेदी ने कहा कि संत रविदास ने जातीय भेद एवं हिन्दू-और कहा कि जब सोने एवं सोने से निर्मित आभूषणों में कोई भेद नहीं है, तो मुस्लिम-हिन्दू में भेद कैसा? विषय प्रवर्तन डॉ.विमल कुमार लहरी ने किया। अध्यक्षता संकायाध्यक्ष प्रोफेसर जयकान्त तिवारी ने की। दूसरे सत्र में संत रविदास के पदों पर भजन, कीर्तन एवं संगीतमय प्रस्तुति हुई। संचालन डॉ. अरुणा कुमारी और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. योगेश आर्या ने किया।

काशी विद्यापीठ में आयोजित संगोष्ठी में अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति डॉ. पी. नाग ने कहा कि संत रविदास के विचारों पर तुलनात्मक शोध की आवश्यकता है। मुख्य अतिथि और दरभंगा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. साकेत कुशवाहा ने कहा कि संत रविदास के विचार वर्तमान समय में समतामूलक समाज के निर्माण में सहायक हैं। संगोष्ठी में प्रो. शम्भुनाथ उपाध्याय, प्रो. चतुर्भुज तिवारी, प्रो. उमारानी त्रिपाठी, प्रो. श्रद्धानंद, प्रो. रेखा, प्रो. सुरेंद्र प्रताप, प्रो. संजय, प्रो. भावना

सामाजिक विज्ञान संकाय में हार्दिक स्वागत
BANARAS HINDU UNIVERSITY
DR.AMBEDKAR CHAIR
FACULTY OF SOCIAL SCIENCES
BHAJAN OF SAINT RAVIDAS
RELEVANCE OF SAINT RAVIDAS'S IDEOLOGY IN MODERN ERA

समता भवन, सामाजिक विज्ञान संकाय में हार्दिक स्वागत
BANARAS HINDU UNIVERSITY
DR.AMBEDKAR CHAIR
FACULTY OF SOCIAL SCIENCES
BHAJAN OF SAINT RAVIDAS

सभागार, समता भवन, सामाजिक विज्ञान संकाय में हार्दिक स्वागत
BANARAS HINDU UNIVERSITY
DR. AMBEDKAR CHAIR
BHAJAN OF SAINT RAVIDAS